



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

18/9/89

सं० 27]
No. 27]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 8, 1989 (आषाढ़ 17, 1911)
NEW DELHI, SATURDAY, JULY 8, 1989 (ASADHA 17, 1911)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

भाग III--खण्ड 4

[PART III--SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं
सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and
Notices issued by Statutory Bodies]

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

कार्मिक प्रभाग

प्रधान कार्यालय

पुणे-411005, दिनांक 1989

सा० का० ति०--बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अधिग्रहण अन्तरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए बैंक ऑफ महाराष्ट्र का निवेशक मण्डल, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से और केन्द्रीय सरकार के पूर्वानुमति से बैंक ऑफ महाराष्ट्र अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन और अपील) (संशोधन) विनियमावली 1976 में और आगे संशोधन करने के लिये, एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है।

I-149 GI/89

2. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ--(1) इन विनियमों का नाम बैंक ऑफ महाराष्ट्र अधिकारी कर्मचारी (अनुशासन और अपील) (संशोधन) विनियमावली, 1988 होगा।

(2) ये विनियम भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

3. संशोधन का विवरण

विनियम II

विनियम II--विनियम 6 या विनियम 7 या विनियम 8 में किसी भी बात के रहते यदि किसी अधिकारी कर्मचारी को किसी आपराधिक आरोप में या न्यायिक जांच द्वारा निकाले गये तथ्यों या निष्कर्षों के आधार पर दंडी पाया गया तो अनुशासनिक प्राधिकारी विनियम 4 में विनिर्दिष्ट कोई भी दण्ड दे सकता है।

(645)

यह उपबन्ध है कि आदेश जारी करने से पूर्व अधिकारी कर्मचारी को प्रस्तावित दण्ड के सम्बन्ध में अभ्यावेदन देने का अवसर दिया जा सकता है।

ह०/- अपठनीय
उप महाप्रबन्धक कार्मिक

ड्राफ्ट प्रोटोर्न

बैंक का नाम यूको बैंक
कार्मिक विभाग

12, ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-1,
दिनांक 19 जून, 1989

जी० एस० आर० 1/89:—बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1970/1980 (1970 का 5/1980 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यूको बैंक का निदेशक मण्डल यूको बैंक अधिकारी संवर्ग के कर्मचारी (आचरण) विनियम (वर्ष) 1976 में आगे संशोधन के लिये भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से और केन्द्र सरकार की पूर्व मंजूरी से इसके द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ—(1) इन विनियमों को (यूको बैंक अधिकारी संवर्ग के कर्मचारी (आचरण) संशोधन विनियम (वर्ष) 1987 कहा जा सकेगा।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीखों प्रवृत्त होंगे।

3. यूको बैंक अधिकारी संवर्ग के कर्मचारी (आचरण) विनियम वर्ष 1976 के विनियम 20 के उपविनियम (4) में संक्षेपाक्षर और अंक रु० 2500/- के स्थान पर संक्षेपाक्षर और अंक 5000/- प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

ह० अपठनीय
उप महाप्रबन्धक, कार्मिक

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून, 1989

सं० यू०-16/(53)/85-चि-2 (पश्चिमी बंगाल) संग्रह-1—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के सम्बन्ध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पाम किये संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 2024 (जी) दिनांक 23-5-1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा निम्नलिखित चिकित्सा अधिकारियों को मानकों के अनुसार देय मासिक पारिश्रमिक पर क्षेत्रीय उप-चिकित्सा आयुक्त (पूर्वी जोन) द्वारा आवंटित किये जाने

वाले संबंधित क्षेत्रों के लिये और प्रत्येक के मामले उल्लिखित अवधि के लिये या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक जो भी पहले हो बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण पत्र की प्रत्याग रसिदों को पर उन्हें आगे प्रमाण पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिये चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिये प्राधिकार करता हूँ।

क्रम संख्या	डाक्टर का नाम	अवधि
1. डा० एम० के० मुखर्जी	21-7-89 से 20-7-90	
2. डा० एम० के० दास	1-7-89 से 30-6-90	
3. डा० एन० एम० मुखर्जी	16-6-89 से 15-6-90	

डा० कृष्ण मोहन मक्सेना
चिकित्सा आयुक्त

राजघाट समाधि समिति

राजघाट समाधि अधिनियम, 1951 के अधीन गठित
नई दिल्ली, जून 1989

का०आ०—राजघाट समाधि समिति, राजघाट समाधि अधिनियम, 1951 की धारा 7(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार प्रस्तावित उपविधियों के प्रारूप को ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी लिये प्रकाशित करती है जिसके उनसे प्रभावित होने की संभावना है और यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर उप तारीख से जिसको ये अधिसूचना अन्तर्विष्ट करने वाला राजपत्र जनता को उपलब्ध करा दिया जाता है, 30 दिन की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जायेगा।

उक्त प्रारूप उपविधियों के सम्बन्ध में पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त आक्षेपों यह मुद्दों पर राजघाट समाधि समिति विचार करेगी।
प्रारूप उपविधियां

I. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

(i) इन उपविधियों का संक्षिप्त नाम राजघाट समाधि उपविधियां, 1989 है।

(ii) ये राजपत्र में उपविधियों के प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगी।

2. लागू होना:

ये उपविधियां समिति के प्रशासनिक और वित्तीय प्रबन्ध के सभी मामलों में और समिति के प्रत्येक सदस्य को लागू होंगी।

3. परिभाषा

इन उपविधियों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो।

(क) किसी पद के सम्बन्ध में “नियुक्ति प्राधिकारी” से उस पद पर नियुक्ति करने के लिये सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत है।

(ख) “अध्यक्ष” से समिति का अध्यक्ष अभिप्रेत है।

(ग) “समिति” से राजघाट समाधि समिति अभिप्रेत है।

(घ) “कर्मचारी” से सम्बन्ध पदों के लिये भर्ती नियमों में विनिर्दिष्ट किसी पद पर समिति में कार्यरत कोई व्यक्ति अभिप्रेत है।

(ङ) “सचिव” से समिति का सचिव अभिप्रेत है।

II. समिति का कार्यकरण

4. समिति का अधिवेशन

(i) अध्यक्ष चार मास में कम से कम एक बार समिति का अधिवेशन संयोजित करेगा।

(ii) अध्यक्ष किन्हीं तीन सदस्यों की अध्यक्षता प्राप्त होने पर समिति का अधिवेशन संयोजित कर सकेगा।

5. अधिवेशनों का समय और स्थान

ऐसे सभी अधिवेशनों का समय और स्थान अध्यक्ष द्वारा नियत किया जायेगा।

6. अधिवेशनों की सूचना

(i) प्रत्येक अधिवेशन के लिये लिखित सूचना अनुसूचित तारीख में कम से कम दो दिन पूर्व प्रत्येक सदस्य को भेजी जायेगी या मरिचाहित की जायेगी।

(ii) सूचना में अधिवेशन के स्थान, तारीख और समय का उल्लेख होना और अधिवेशन में विद्यमान होने वाले प्रस्तावित काम काज को विनिर्दिष्ट किया जायेगा।

(iii) किसी ऐसे काम काज पर, जो कार्यसूची में नहीं है, अध्यक्ष की, अनुमति के बिना अधिवेशन में विचार नहीं किया जायेगा।

7. समिति के समक्ष विषयों को लाने की प्रक्रिया

ऐसा कोई सदस्य जो किसी विषय को समिति के समक्ष लाना चाहता है, अपना प्रस्ताव सचिव को भेजेगा जो उसे आदेश के लिये अध्यक्ष को प्रस्तुत करेगा।

अध्यक्ष प्रस्ताव को समिति के समक्ष निर्दिष्ट करेगा किन्तु किसी ऐसे विशेष मामले में जिसमें वह प्रस्ताव को समिति के निर्देश असमीचीन या अनावश्यक समझता है तो वह ऐसे कारणों से जिन्हें वह लेखबद्ध करेगा ऐसा करने से इन्कार कर देगा।

8. गणपूर्ति

तीन सदस्यों से किसी अधिवेशन के लिये गणपूर्ति का गठन होगा।

9. अधिवेशन में अध्यक्ष पीठासीन होगा

अध्यक्ष समिति के प्रत्येक अधिवेशन में अध्यक्षता करेगा। उसकी अनुपस्थिति में, उपस्थित सदस्य किसी अन्य सदस्य

को अध्यक्ष निर्वाचित कर सकेगा और तदुपरि, अधिवेशन का काम काज इस प्रकार निर्वाचित सदस्य की अध्यक्षता में किया जायेगा।

10. बहुमत द्वारा विभाजन

अधिवेशन में समिति के समक्ष सभी प्रश्नों और विषयों का विनिश्चय उपस्थित सदस्यों के बहुमत द्वारा किया जायेगा। मतों के बराबर होने की दशा में अधिवेशन के अध्यक्ष का द्वितीय या निर्णायक मत होगा।

11. तीन मास के व्यतीत न हो जाने तक समिति के समक्ष उसी प्रश्न को नहीं लाया जायेगा।

समिति के किसी संकल्प द्वारा विनिश्चित किसी प्रश्न को पुनः विचारार्थ तब तक नहीं लाया जायेगा जब तक संकल्प की तारीख से तीन मास व्यतीत न हो गये हों, परन्तु अध्यक्ष पर्याप्त कारणों से, ऐसे प्रश्न को किसी भी समय समिति के समक्ष लाने की अनुज्ञा दे सकेगा।

12. कार्यवृत्त

समिति के प्रत्येक अधिवेशन की कार्यवाही के कार्यवृत्त सचिव के हस्ताक्षर से एक पुस्तिका में अभिलिखित किये जायेंगे। कार्यवृत्तों पर अगले अधिवेशन में उनकी पुष्टि किये जाने के पश्चात् अध्यक्ष द्वारा हस्ताक्षर भी किये जायेंगे।

13. धन के लिये रसीद

समिति के द्वारा या उसकी ओर से प्राप्त किसी धन के लिये सचिव या उनके द्वारा केन्द्रीय राजकोष नियमों की धारा 82 के अन्तर्गत नामित उचित अधीनस्थ कर्मचारी द्वारा रसीद जारी की जायेगी।

14. वार्षिक रिपोर्ट

समिति वित्तीय विवरण और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट सहित समाधि के प्रशासन पर एक वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करेगी।

III. स्थापन

15. सचिव

(i) समिति राजघाट समाधि अधिनियम, 1951 की धारा 5 के अधीन समनुदेशित अपने कर्तव्यों के दक्षतापूर्ण निर्वहन में सहायता करने के लिये एक व्यक्ति को अंशकालिक सचिव के रूप में नियुक्त करेगी।

(ii) इस प्रकार नियुक्त सचिव ऐसे कर्तव्यों का पालन करेगा जो राजघाट समाधि समिति द्वारा उसे सौंपे जाएं।

(iii) अंशकालिक सचिव को वही भत्ते प्राप्त होंगे जो समिति द्वारा समकालिक पर निर्धारित किये जायेंगे।

16. अन्य कर्मचारिवृन्द

(i) समिति के कार्यालय के लिये अपेक्षित कोई अन्य पद, जो केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में समूह “ग” और “घ” में के पदों के समतुल्य है, समिति के आदेशों पर गृहित

किया जा सकेगा और क्रमशः अध्यक्ष और सचिव इन पदों के लिये नियुक्ति प्राधिकारी होगा।

(ii) समिति के कार्यालय में समूह "क" और "ख" के समस्त पदों का सृजन वित्तीय शक्ति का प्रत्यायोजन नियम, 1978 के उपबन्धों के अनुसार शहरी विकास मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया जायेगा और उन पर नियुक्ति केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के अनुसार की जायेगी।

(iii) सेवा की साधारण शर्तों वेतन और भत्तों, छट्टी वेतन, पद ग्रहण समय आदि की बाबत किसी ऐसे विषय के बारे में जिसका इन उपविधियों में विनिर्दिष्ट रूप से उपबन्ध नहीं किया गया है, मूल नियमों, अनुपूरक नियमों के उपबन्ध और केन्द्रीय सरकारी सेवाओं की लागू होने वाले आदेश और विनिश्चय यथावश्यक परिवर्तनों सहित समिति के कर्मचारियों को लागू होंगे।

17. पद और वेतनमान

समिति में प्रत्येक के सामने उल्लिखित वेतनमान में निम्न लिखित पद हो सकेगे :—

क्रम सं०	पद	वेतनमान	पदों की सं०
समूह 'ग'			
(i)	संरक्षक	1400-40-1600-40- 2300-द० रो०- 60-2500 रु०	1
(ii)	सहायक संरक्षक	1200-30-1560- द० रो०-40-2040 रु०	1
(iii)	लिपिक सह- साधारण सहायक	950-20-1150- द० रो०-25-1500 रु०	1

समूह 'घ'

(iv)	जमादार	775- 10- 965- द० रो०- 1025 रु०	12- 1
(v)	चौकीदार	750- 8- 790- द० रो०- 940 रु०	10- 25
(vi)	चपरासी	750- 8- 790- द० रो०- 10- 940 रु०	1
(vii)	सफाई सेवक	750- 8- 790- द० रो०- 940 रु०	10- 7

18. आयु सीमा

खण्ड 17 में वर्णित पदों पर नियुक्ति के लिए न्यूनतम आयु वह होगी जो सचिव के पद को छोड़कर जिसके लिए अधिकतम आयु सीमा 50 वर्ष होगी, केन्द्रीय सरकार में तत्स्थानी पदों के लिए भर्ती नियमों में अधिकृत है।

19. अर्हताएं

(i) संरक्षक स्नातक होना चाहिए और अधिमान ऐसे व्यक्ति को दिया जाएगा जो कला में मास्टर की डिग्री धारण किए हुए है। वह गांधीवाद संविचारों और आदर्शों से सुविज्ञा होना चाहिए और उसे प्रशासनिक हैसियत प्राप्त होनी चाहिए।

(ii) सहायक संरक्षक भी स्नातक होना चाहिए और उसे गांधीवाद संविचारों का ज्ञान होना चाहिए।

(iii) लिपिक सह साधारण सहायक कम से कम मेट्रीक्यूलेट आवश्यक हो और उसे टंकण और बही खाने का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।

(iv) जमादार, चौकीदार और चपरासी को कम से कम मिडिल कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। साइकिल चलाना जानना वांछनीय है।

(v) सफाई सेवक को पढ़ने, लिखने का और गणित का प्रारंभिक ज्ञान होना चाहिए।

(vi) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति की दशा में अभ्यर्थियों की अर्हताओं को सरकारी नियमों के अनुसार सिध्दित किया जा सकता है।

20. नियुक्ति प्राधिकारी

(i) सचिव, जमादार, चौकीदार/चपरासी और सफाई सेवक के पदों की बाबत नियुक्ति प्राधिकारी होगा।

(ii) अध्यक्ष, संरक्षक, सहायक संरक्षक और लिपिक सह-साधारण सहायक या किसी अन्य पूर्णकालिक या अंशकालिक कर्मचारिवृन्द के पदों की बाबत नियुक्ति प्राधिकारी होगा।

21. भर्ती

(i) समिति के अधीन किसी पद पर भर्ती नियोजनालय (रिक्तियों की अनिवार्य अधिसूचना) (अधिनियम, 1959 के उपबन्धों के अनुसार और, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए रिक्तियों के आरक्षण के लिए ऐसे नियमों और आदेशों के अनुसार जो केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए हैं या किए जाएं, निम्नलिखित तरीकों में से किसी एक को अपनाकर की जाएगी :—

(क) सीधी भर्ती द्वारा।

(ख) प्रोत्तति द्वारा।

(ग) अन्य केन्द्रीय/राज्य सरकार के विभागों से प्रति-नियुक्ति के आधार पर नियुक्ति द्वारा।

(घ) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए संविदा पर।

22. नियुक्ति, परीक्षा और पुष्टीकरण

(i) प्रथम नियुक्ति पर चिकित्सीय परीक्षा

समिति में नियुक्ति के लिए चुने गए अभ्यर्थियों से ऐसे चिकित्सीय प्राधिकारी द्वारा जो समिति द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, चिकित्सीय परीक्षा कराए जाने की अपेक्षा की जायेगी।

(ii) परिबीक्षा

सोघे भर्ती द्वारा या प्रोन्नति द्वारा आरंभिक नियुक्ति पर सचिव से भिन्न कोई वर्मचारी दो वर्ष की अवधि के लिए परिबीक्षा पर रहेगा जिसे आवश्यकतानुसार नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा बढ़ाया जा सकेगा।

(iii) पुष्टीकरण

परिबीक्षा की अवधि के समाधानप्रद रूप में पूर्ण रूप लेने के पश्चात वर्मचारी की समिति के स्थापन में पुष्टि की जा सकेगी।

(iv) कर्तव्य और आचरण संहिता

23. कर्मचारियों के कर्तव्य

समिति का सचिव और अन्य कर्मचारी ऐसी शक्तियों का प्रयोग और कर्तव्यों का पालन करेंगे जो समिति समय-समय पर उन्हें समनुदेशित करे।

24. आचरण और अनुशासन

(अ) आचरण—समय-समय पर यथासंशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 समिति के सभी कर्मचारियों को लागू होंगे।

(आ) अनुशासन—समय-समय पर यथासंशोधित केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गिकरण नियंत्रण और अपील) नियम 1965 के समिति के सभी वर्मचारियों को लागू होंगे। निम्नलिखित समिति के कर्मचारीवृन्द की वास्तव अनुशासनिक/अपील प्राधिकारी होंगे।

कर्मचारीवृन्द प्रवर्ग	छुट्टी/बड़ी शारितथा	
अनुशासनिक प्राधिकारी	अपील प्राधिकारी	
समूह क सचिव:	अध्यक्ष	सभापति
समूह ग सभी पद (जिसके अन्तर्गत संरक्षक भी है)	सचिव	अध्यक्ष
समूह घ सभी पद	सचिव	अध्यक्ष

V. भत्ते और अन्य प्रकीर्ण प्रसुविधाएं

25. भत्ते और अन्य रियायतें

(i) निम्नलिखित भत्ते और रियायतें वर्मचारियों को उसी दर पर और वैसे ही शर्तों पर अनुज्ञेय होगी जो समय-समय पर समतुल्य पदों के केन्द्रीय सरकार के वर्मचारियों को अनुज्ञेय होती हैं :—

1. महंगाई भत्ता
2. प्रतिप्रेषण भत्ता
3. बालक शैक्षिक भत्ता और शिक्षा फीस की प्रतिपूर्ति

4. गृह विराया भत्ता

5. धुलाई भत्ता

6. छुट्टी यात्रा रियायत।

(ii) चिकित्सा भत्ता—समूह 'ग' के वर्मचारियों को 350 रु० प्रति वर्ष तथा समूह 'घ' के वर्मचारियों को 250 रु० प्रतिवर्ष की दर से चिकित्सा भत्ता दिया जाएगा।

26—छुट्टी की मंजूरी

(i) सचिव से भिन्न समिति के वर्मचारियों को सभी छुट्टियां सचिव द्वारा मंजूर की जा सकेंगी। सचिव को छुट्टी अध्यक्ष द्वारा मंजूर की जा सकेगी।

(ii) कोई वर्मचारी किसी कलेंडर वर्ष में 12 दिन के लिए आकस्मिक छुट्टी का उपभोग कर सकता है। किसी अन्य प्रकार की छुट्टी मंजूरी केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 के द्वारा शासित होगी।

(iii) साप्ताहिक विश्राम—प्रत्येक कर्मचारी सप्ताह में एक दिन के विश्राम के लिए हकदार होगा। यह साप्ताहिक विश्राम सचिव द्वारा चक्रानुक्रम में मंजूर किया जाएगा जिससे दि बाधों में बाधा उत्पन्न न हो।

(iv) अवकाश दिन—सभी वर्मचारी वर्ष में 16 दिन से अतिरिक्त के ऐसे अवकाश दिनों के लिए हकदार होंगे जो समय-समय पर समिति द्वारा घोषित किए जाएं। इसके अतिरिक्त वर्मचारी प्रत्येक वर्ष समिति द्वारा अधिसूचित की जाने वाली सूची में से वर्ष में दो दिन से अधिक के निर्बन्धित अवकाश दिन का उपभोग कर सकेगा। यदि किसी वर्मचारी से किसी अवकाश दिन को किसी कर्तव्य का पालन करने की अपेक्षा की जाती है तो उसे सचिव द्वारा चक्रानुक्रम में उसके बदले प्रतिकारात्मक छुट्टी इसी प्रकार अनुज्ञात की जायेगी, जिससे कि समाधि पर कार्य अवरोध न हो।

(v) प्रत्येक वर्मचारियों के प्रवर्ग के लिए कार्यकाल के घंटे ऐसे होंगे जो समिति द्वारा विनिश्चित किए जाएं, किंतु यह उन घंटों से कम नहीं होंगे जो केन्द्रीय सरकार में समतुल्य पदों के लिए विहित किए जाते हैं।

27. अग्रिम

कर्मचारी ऐसे मापमानों पर और ऐसे निर्बन्धों और शर्तों के अधीन जो केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को लागू होते हैं, त्योंहार अग्रिम, साइकिल अग्रिम, छुट्टी वेतन अग्रिम का हकदार होगा।

28. वर्दी

ऐसे मापमानों के अनुसार जो समिति द्वारा अधिकथित किए जाएं, जमादारों, चौकीदारों, चपरासियों और सफाई सेवकों को वर्दियां जारी की जाएंगी।

29. निवास स्थान

संरक्षक और महायक संरक्षक के लिए समाधि परिसर में अनुशुक्तिफीस के बिना असज्जित निवास स्थान की व्यवस्था

की जा सकती। कर्मचारीवृन्द के अन्य सदस्यों की उपलब्ध कराए गए निवास स्थान के लिए अनुज्ञप्ति फीस दिल्ली में केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को लागू होने वाले नियमों के अधीन प्रभारित की जायेगी। बिद्युत, जल, नगरपालिका दर यदि हों, के लिए प्रभार अधिभोगियों द्वारा ऐसी शर्तों पर संदेय होंगे, जो समय-समय पर केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों को लागू हों ते हैं।

VI. सेवा का अभिलेख

30. सेवा पुस्तक छुट्टी लेखा और व्यक्तिगत फाइल

समिति प्रत्येक कर्मचारी की सेवा पुस्तक, छुट्टी लेखा, और व्यक्तिगत फाइल बनाए रखेगी। सेवा पुस्तक, छुट्टी लेखा में की प्रविष्टियों को सभी मामलों में सचिव द्वारा अनु-प्रमाणित किया जाएगा।

31. चरित्र पुस्तक

समिति के सभी समूह "ग" और उनसे ऊपर के कर्मचारियों की चरित्र पुस्तक बनाए रखी जाएगी। इसमें कर्मचारों की संक्षिप्त सेवा विनिष्टियाँ और स्वयं मूल्यांकन; रिपोर्ट अधिकारी और पुनर्विलोकन अधिकारी की टिप्पणियाँ अन्तर्विष्ट होंगी। समूह "ग" कर्मचारियों की दशा में, सचिव रिपोर्ट अधिकारी और अध्यक्ष पुनर्विलोकन अधिकारी होगा। सचिव की दशा में, रिपोर्ट पुनर्विलोकन अधिकारी अध्यक्ष होगा।

VII. पद त्याग, सेवा-निवृत्ति और सेवा का पर्यवसान

32. अस्थायी सेवाओं का पर्यवसान

(क) समूह ग और घ में अस्थायी कर्मचारी की सेवा या तो समूह ग और घ में किसी कर्मचारी द्वारा समिति का या समिति द्वारा समूह ग और घ में किसी कर्मचारी की लिखित रूप में सूचना देकर किसी भी समय पर्यवसित की जा सकती।

(ख) ऐसी सूचना की अवधि एक मास होगी।

परन्तु समूह ग और घ में ऐसे किसी कर्मचारी की सेवाओं को तुरन्त पर्यवसित किया जा सकेगा और ऐसे पर्यवसान पर कर्मचारी अपने वेतन की रकम के बराबर धनराशि और सूचना की अवधि के लिए भत्ते का ऐसी दरों पर दावा करने का हकदार होगा जिनको वह अपनी सेवा के पर्यवसान के ठीक पूर्व प्राप्त कर रहा था या, यथास्थिति, उस अवधि के लिए जिसके लिए ऐसी सूचना एक मास से कम है।

(ग) समूह क और ख में समिति के किसी अस्थायी कर्मचारी की सेवाओं के पर्यवसान की शक्ति केन्द्रीय सरकार में निहित होगी।

33. अनिवार्य सेवा निवृत्ति

(i) यदि समिति की यह राय है कि ऐसा करना लोक-हित में है तो उसे समूह ग और घ के समतुल्य पद के किसी कर्मचारी की लिखित रूप में तीन मास से अग्रिम की लिखित

सूचना देकर या ऐसी सूचना के स्थान पर तीन मास का वेतन और भत्ता देकर उसके 55 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात्, सेवा निवृत्त करने की आत्यांतिक शक्ति होगी।

(ii) समूह क और समूह ख के समतुल्य पद पर समिति के किसी कर्मचारी को 50 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने के पश्चात् उसे सेवा निवृत्ति करने की इसी प्रकार की शक्ति केन्द्रीय सरकार में निहित होगी।

VIII. सेवा निवृत्ति और सेवा निवृत्ति प्रसुविधा

34. सेवा निवृत्ति और अन्य प्रसुविधाएँ

(i) संरक्षक, सहायक संरक्षक और लिपिक-सह-साधारण सहायक के लिए सेवा निवृत्ति की समान्य आयु 58 वर्ष होगी। जमादार, चपरासी, चौकीदार तथा सफाई सेवक के लिए सेवा निवृत्ति की आयु 60 वर्ष होगी।

(ii) अभिदायी भविष्य निधि

(क) समिति एक ऐसी प्रथक निधि बनाए रखेगी और उसे प्रशासित करेगी जिसे "राजघाट समाधि समिति अभिदायी भविष्य-निधि" के रूप में जाना जाएगा। परिवीक्षाधीन या आकस्मिक कर्मदार या अंशकालिक कर्मकार को छोड़कर प्रत्येक कर्मचारी अभिदायी भविष्य निधि में ऐसी धनराशि का अभिदाय करेगा जो उसके मूल वेतन के $8\frac{1}{2}$ प्रतिशत से अग्र्यून नहीं है और जिसे निकटतम रूप तक पूर्ण-कित किया गया है। अभिदाय कर्मचारी के प्रत्येक मास के वेतन और भत्तों में से समुलीय होगा।

(ख) समिति भी अपनी निधि में से प्रत्येक वर्ष 31 मार्च, को अभिदायी भविष्य निधि में प्रत्येक कर्मचारी के लेख में सम्बद्ध कर्मचारी के वर्ष के दौरान प्राप्त कुल रकम के बराबर रकम का अभिदाय करेगी जो 12 मास के उसके मूल वेतन के $8\frac{1}{2}$ प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

(ग) समिति केन्द्रीय सरकार में विद्यमान पद्धति के आधार पर कर्मचारी द्वारा किए गए अभिदायों पर ब्याज का संदाय करेगी।

(घ) अभिदायी भविष्य निधि नियम (भारत), 1962 के उपबन्ध निधि में किए गए अभिदायों, निधि से अग्रिमों, निधि से रकम वापस निकालने, निधि आवृत्ति में संचायित रकम के अन्तिम रूप से वापस निकालने को लागू होंगे।

(iii) उपदान — कर्मचारी समिति के अधीन सेवा-निवृत्ति पर या सेवा का त्यागपत्र करने पर, सेवा के प्रत्येक पूरे किए गए वर्ष के लिए, अधिकतम 15 मास के वेतन के अधीन रहते हुए, आधे मास के मूल वेतन की दर पर उपदान के हकदार होंगे। पदच्युत की दशा में, उपदान का संदाय समिति के विवेकाधिकार पर निर्भर करेगा।

IX. साधारण

35. (i) यदि इन उपविधियों में से किसी के निर्वाचन के बारे में कोई संदेह पैदा होता है तो वह मामला गहरी धीकास

मंत्रालय को निर्देशित किया जाएगा जिसका विनिश्चय अन्तिम होगा।

(ii) अध्यक्ष को ऐसे विषयों का जिनका इन उप विधियों में विनिर्दिष्ट रूप से उपबंध नहीं किया गया है, समिति के नियमों और विनियमों के अनुसार और सरकारी विभागों में स्थापित प्रक्रिया के अनुसार समिति के अनुसमर्थन के अधीन रहते हुए विनिश्चय करने की अवशिष्ट शक्ति होगी।

**BANK OF MAHARASHTRA
PERSONNEL DEPARTMENT**

Pune-411005, the 1989

—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition & Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of Bank of Maharashtra in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Bank of Maharashtra Officer Employees' (Discipline & Appeal) (Amendment) Regulations, 1976.

2. Short Title and Commencement

1. These Regulations may be called the Bank of Maharashtra Officer Employees (Discipline & Appeal) (Amendment) Regulations, 1988.

2. They shall come into force on the date of publication in the Official Gazette.

3. Details of the amendments

Regulation II—

"Notwithstanding anything contained in Regulation 6 or Regulation 7 or Regulation 8, the disciplinary authority may impose any of the penalties specified in Regulation 4 if the officer employee has been convicted on criminal charge or on the strength of facts of conclusions arrived at by judicial trial.

Provided that the officer employee may be given an opportunity of making representation on the penalty proposed to be imposed before any order is made."

Sd/- ILLEGIBLE
Dy. General Manager
(Personnel)

DRAFT PROFORMA

No.

Name of the Bank : UCO BANK

Personnel Department

12, Old Court House Street
Calcutta-700001.

Date 19-6-1989

GSR 1/89.—In exercise of the powers conferred by section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970/1980 (5 of 1970/5 of 1980), the Board of Directors of UCO BANK in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes following regulations further to amend the UCO BANK Officer Employees' (Conduct) Regulations, 1976.

2. Short title and commencement :— (1) These regulations may be called the UCO Bank Officer Employees' (Conduct) Amendment Regulations, 1987.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

X निरसन और व्यावृत्ति :

36. ये उपविधियां तारीख 11-8-56 की 1956 की उप-विधियों की और तारीख 1-1-62 की अनुपूरक उपविधियां 1962 को अतिष्ठित करती हैं। तथापि, वे पुनरीक्षित उप-विधियों के प्रस्थापन के पूर्व विद्यमान उपविधियों के अधीन की गई कार्रवाई इन उपविधियों के अधीन की गई समझी जाएगी।

सचिव,
राजघाट समाधि समिति

3. "In the UCO Bank Officer Employees' (Conduct) Regulations, 1976 in Regulation 20 in sub-regulation (4) for the abbreviation and figure 'Rs. 2,500/-' the abbreviation and figure 'Rs. 5,000/-' shall be substituted."

Sd/- ILLEGIBLE

Dy. General Manager
(Personnel)

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 21st June 1989

No. U-16/53/85-Med.II(W.B)Col-I.—In pursuance of the resolution passed by E.S.I. Corporation at its meeting held on 25th April, 1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the E.S.I. (General) Regulations, 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise the following doctors to function as Medical Authority at a monthly remuneration in accordance with the norms, for the period indicated against each, or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for respective areas to the allocated by RDMC(E.S) for the purpose of medical examination of insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

Sl. Name of Doctor No.	Period
1. Dr. S. K. Mukherjee	21-7-89 to 20-7-90.
2. Dr. S. K. Das	1-7-89 to 30-6-90.
3. Dr. N. M. Mukherjee	16-6-89 to 15-6-90.

DR. K. M. SAXENA,
Medical Commissioner

RAJGHAT SAMADHI COMMITTEE

(Constituted under the Rajghat Samadhi Act, 1951)

New Delhi, the

June 1989

S.O.—In exercise of the powers conferred by Section 7(1) of the Rajghat Samadhi Act, 1951, the Rajghat Samadhi Committee hereby publish the draft of the proposed Bye-Laws as required by sub-section (2) of the Section 7 of the said Act for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of 30 days from the date on which the Gazette containing this notification is made available to the public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft Bye-laws before

the expiry of the period specified above will be considered by the Rajghat Samadhi Committee.

DRAFT BYE-LAWS

1. *Short Title and Commencement :*

- (i) These Bye Laws may be called the Rajghat Samadhi Committee Bye-Laws 1989.
- (ii) They shall come into force from the date of the publication of the Bye-Laws in the Gazette of India.

2. *Application :*

These Bye-laws shall apply in all matters of Administrative and Financial Management of the Committee and to every employee of the Committee.

3. *Definition :*

In these Bye-laws, unless the context otherwise required :—

- (a) "Appointing Authority" in relation to any post means the authority competent to make appointment to that post.
- (b) "Chairman" means the Chairman of the Committee.
- (c) "Committee" means the Rajghat Samadhi Committee.
- (d) "Employee" means any person serving the Committee in any post specified in the Recruitment Rules for the posts concerned.
- (e) "Secretary" means the Secretary of the Committee.

II. *FUNCTIONING OF THE COMMITTEE*

4. *Meeting of the Committee*

- (i) The Chairman shall convene a meeting of the Committee atleast once in four months.
- (ii) The Chairman may on the receipt of a requisition of any three members convene a meeting of the Committee.

5. *Time and place of Meetings*

The time and place of all the meetings shall be fixed by the Chairman.

6. *Notice of meeting :*

- (i) A written notice for every meeting shall be sent or circulated to every member atleast two days before the scheduled date.
- (ii) The notice shall state the place, the date and the time of the meeting and shall specify the business proposed to be transacted thereat.
- (iii) No business, which is not on the agenda shall be considered at the meeting without the permission of the Chairman.

7. *Procedure for bringing matters before the Committee*

Any member wishing to bring any matter before the Committee shall send his proposal to the Secretary who shall submit it to the Chairman for orders. The Chairman shall refer the proposal to the Committee, but, in any special case, in which he considers reference of the proposal to the Committee inexpedient or unnecessary, he may, for reasons to be recorded in writing, refuse to do so.

8. *Quorum :*

Three members shall form the quorum for a meeting.

9. *Chairman to preside at meeting :*

The Chairman shall preside at every meeting of the Committee. In his absence, the members present, may elect any

other member as Chairman and, thereupon, the business of the meeting shall be transacted under the chairmanship of the member so elected.

10. *Division by majority :*

All questions and matters before the Committee at a meeting shall be decided by a majority of votes of the members present. In case of equality of votes, the Chairman of the meeting shall have a second or casting vote.

11. *Same question not to be brought before Committee until after lapse of three months*

Any question decided by a resolution of the Committee shall not again be brought for consideration until after a lapse of three months from the date of the resolution provided that the Chairman may for sufficient reasons allow any such question to be brought before the Committee at any time.

12. *Minutes :*

The minutes of the proceedings of every meeting of the Committee shall be recorded in a book under the signature of the Secretary. The minutes shall also be signed by the Chairman at the next meeting after these are confirmed.

13. *Receipts for money :*

A receipt shall be issued for any money received by or on behalf of the Committee, by the Secretary or by his subordinate, if he is authorised by the Secretary to do so, in terms of rule 82 of the Central Treasury Rules.

14. *Annual Report :*

The Committee shall publish an Annual Report on the administration of the Samadhi together with a financial statement and the report of the Auditor.

III. *ESTABLISHMENT*

15. *Secretary :*

- (i) The Committee shall appoint a person as a part-time Secretary to assist it in the efficient performance of its duties assigned under Section 5 of the Rajghat Samadhi Act 1951.
- (ii) The Secretary so appointed shall perform such duties as are entrusted to him by the Rajghat Samadhi Committee.
- (iii) The Secretary shall be paid such allowances, as the Committee may decide from time to time.

16. *Other staff :*

- (i) Any other post needed for the office of the Committee, equivalent to the posts in Group 'C' and 'D' in the Central Govt. Offices, may be created on the orders of the Committee and the Chairman and the Secretary respectively shall be the appointing authority for these posts.
- (ii) The creation of posts equivalent to Group 'A' and 'B' in the Office of the Committee shall be approved by the Ministry of Urban Development as per the provisions of the Delegation of Financial Power, Rules 1978, and appointments thereto made as per the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965.
- (iii) In respect of any matter not specifically provided for in these Bye-laws regarding general conditions of service, pay and allowances, leave salary, joining time etc., the provisions of the Fundamental Rules, the Supplementary Rules, and the orders and deci-

sions applicable to the Central Government servants shall apply, *mutatis mutandis*, to the employees of the Committee.

17. Posts and Pay Scales :

The Committee may have the following posts in the scale of pay noted against each :—

S. No.	Posts	Scale of Pay	No. of Posts
Group C			
(i)	Sanrakshak	Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	1
(ii)	Sahayak Sanrakshak	Rs. 1200-30-1560-EB-40-2040	1
(iii)	Clerk-cum-General Assistant	Rs. 950-20-1150-EB-25-1500	1
Group D			
(iv)	Jamadar	Rs. 775-10-965-EB-12-1025	1
(v)	Chowkidar	Rs. 750-8-790-EB-10-940	25
(vi)	Peon	Rs. 750-8-790-EB-10-940	1
(vii)	Safai Sewak	Rs. 750-8-790-EB-10-940	7

18. Age limits :

The minimum age for appointment to posts mentioned in Clause 17 will be as laid down in the recruitment rules for corresponding posts in Central Govt., except for the post of Secretary, for whom the upper age limit will be 50 years.

19. Qualifications :

- The Sanrakshak should be a graduate and preference will be given to a person holding the Degree of Master of Arts. He should be well-versed in Gandhian concepts and ideologies and possess administrative capacity.
- Sahayak Sanrakshak should also be a Graduate and should possess the knowledge of Gandhian concepts.
- Clerk-cum-General Assistant should be atleast a Matriculate with fair knowledge of typing and book-keeping.
- Jamadar, Chowkidars and peons should be atleast middle school pass. Knowledge of cycling is desirable.
- Safai Sewak should have elementary knowledge of reading, writing and arithmetic.
- In case of SC/ST candidates qualifications can be relaxed, according to Govt. Rules.

20. Appointing Authority :

- The Secretary shall be the appointing authority in respect of posts of Jamadars, Chowkidars Peons and Safai Sewak.
- The Chairman shall be the appointing authority in respect of posts of Sanrakshak, Sahayak Sanrakshak and Clerk-cum-General Assistant or any other full-time or part time staff.

21. Recruitment :

- Recruitment to a post under the Committee will be made as per the provisions of the Employment Exchange (Compulsory Notification of Vacancies) Act, 1959, and in, accordance with such rules and orders for the reservation of vacancies for the scheduled castes and scheduled tribes, as have been or may be issued by the Central Govt., from time to time, by adopting any of the following methods :

(a) by direct recruitment.

(b) by promotion.

(c) by appointment on deputation basis from other Central/State Government Departments.

(d) on contract for a specified period.

22. Appointment, Probation and Confirmation :

- Medical examination on first appointment :**

Candidates selected for appointment in the Committee shall be required to undergo a medical examination by a Medical Authority to be specified by the Committee.

- Probation :**

On initial appointment, either by direct recruitment or by promotion an employee other than the Secretary shall be placed on Probation for a period of two years which may be extended by the Appointing Authority, if necessary.

- Confirmation :**

After satisfactory completion of the period of probation an employee may be confirmed in the establishment of the Committee.

IV. DUTIES AND CODE OF CONDUCT

23. Duties of the Employees :

The Secretary and other employees of the Committee shall exercise such powers and perform such duties as the Committee may, from time to time, assign to them.

24. Conduct and Discipline :

(A) **Conduct :** The Central Civil services (Conduct) Rules 1964, as amended from time to time, shall be applicable to all employees of the Committee.

(B) **Discipline :** The Central Civil Service (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, as amended from time to time, shall be applicable to all employees of the Committee. The following will be the Disciplinary/ Appellate Authorities in respect of the staff of the Committee.

Category of Staff Disciplinary Authority	Minor/Major Penalties Appellate Authority
Group A Secretary Chairman	President
Group C All posts (including Secretary Sanrakshak)	Chairman
Group D All posts Secretary	Chairman

V. ALLOWANCES AND OTHER MISCELLANEOUS BENEFITS

25. Allowances and other concessions :

- The following allowances and concessions will be admissible to the employees at the same rates, and on

the same condition, as are admissible to the Central Govt. employees of comparable rank, from time to time :—

- Dearness Allowance
- Compensatory Allowance

3. Children's Educational Allowance and Reimbursement of tuition fees.
4. House Rent Allowance
5. Washing Allowance
6. Leave Travel Concession.

(ii) *Medical Allowance :*

Medical Allowance shall be paid at Rs. 350/- per year to Group 'C' employees and at Rs. 250/- per year to Group 'D' employees.

26. *Grant of Leave :*

All leave to the employees of the Committee other than the Secretary may be sanctioned by the Secretary. Leave to the Secretary may be sanctioned by the Chairman.

(i) An employees can avail of Casual Leave for 12 days in a Calendar year. The grant of any other kind of leave will be governed by the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972.

(ii) *Weekly Rest :* Every employee shall be entitled to one day's rest in a week. This weekly rest shall be granted by the Secretary in rotation so that the work does not suffer.

(iii) *Holidays:* All the employees shall be entitled to holidays for more than 16 days in a year as may be declared by the Committee from time to time. In addition an employee may also avail of Restricted Holiday for not more than 2 days in a year out of a list to be notified by the Committee each year. If an employee is required to perform any duties on a holiday, he would be allowed compensatory leave in lieu thereof by the Secretary in rotation so that the work at the Samadhi does not suffer.

(iv) The working hours for each category of employees, shall be such as may be decided by the Committee, but these shall not be less than those prescribed for comparable posts in the Central Government.

27. *Advances :*

The employees will be entitled to Festival Advance, Cycle Advance, Leave Salary Advance on the scales and under the Terms and conditions as are applicable to the Central Government Employees.

28. *Uniforms :*

Uniforms shall be issued to Jamadars, Chowkidars, Peons and Safai Sewaks in accordance with the scales that may be laid down by the Committee.

29. *Residential Accommodation :*

Unfurnished residential accommodation may be provided for the Sanrakshak and the Sahayak Sanrakshak at the Samadhi premises free of licence fee. For the accommodation provided to the other members of staff, licence fee shall be charged under the Rules applicable to Central Government employees at Delhi. Charges for electricity, water and municipal taxes, if any, shall be payable by the occupants, at the rates as applicable to the Central Govt., employees from time to time.

VI. RECORDS OF SERVICE

30. *Service Books, Leave Accounts and Personal Files:*

The Committee shall maintain service books, leave accounts, and personal files of each employee. Entries in the service books, leave accounts will be attested by the Secretary in all cases.

31. *Character Rolls :*

Character Rolls of all Group 'C' and above employees of the Committee shall be maintained. It shall contain brief service particulars and self-appraisal of the employee, remarks of the Reporting Officer and Reviewing Officer. In the case of Group 'C' employees, Secretary shall be the Reporting Officer and Chairman, Reviewing Officer. In the case of the Secretary, the Reporting/Reviewing Officer shall be Chairman.

VII. REGISTRATION, RETIREMENT AND TERMINATION OF SERVICES

32. *Termination of Temporary Services :*

(a) The service of a temporary employee in Group C and D shall be liable to termination at any time by a notice in writing given either by the employee in Group C and D to the Committee or by the Committee to the employee in Group C and D.

(b) The period of such notice shall be one month. Provided that the services of any such employee in Group C and D may be terminated forthwith and on such termination the employee shall be entitled to claim a sum equivalent to the amount of his pay plus allowances for the period of notice at the same rates at which he was drawing them immediately before the termination of his service or as the case may be for the period by which such notice falls short of one month.

(c) The powers of termination of services of a temporary employee of the Committee in Group A and B shall vest in the Central Government.

33. *Compulsory Retirement :*

(i) The Committee shall, if it is of the opinion that it is in the Public interest so to do, have the absolute right to retire any of its employees in a post equivalent to Group C or D by giving him/her a notice of not less than 3 months in writing or 3 months pay and allowances in lieu of such notice after he/she has attained the age of 55 years.

(ii) Similar power to retire an employee of the Committee in a post equivalent to Group 'A' or Group 'B' after he has attained the age of 50 years shall vest in the Central Government.

VIII. RETIREMENT AND RETIREMENT BENEFITS

34. *Retirement and other benefits :*

(i) The normal age of retirement shall be 58 years for Sanrakshak, Sahayak Sanrakshak and Clerk-cum-General Assistant. For Jamadars, Peons, Chowkidars and Safai sewak, the age of retirement shall be 60 years.

(ii) *Contributory Provident Fund :*

(a) The Committee shall maintain and administer, a separate fund to be known as 'Rajghat Samadhi Committee Contributory Fund'. Every employee except probationer or a casual worker or a part-time worker shall contribute to the Contributory Provident Fund any sum which is not less than 8.1/3% of his Basic Pay rounded off to the nearest rupee. The contribution shall be realisable from each month's pay and allowances of the employees.

(b) The Committee shall also contribute from its own funds to the account of every employee in the Contributory Provident Fund on 31st March, of every year, an amount equal to the total amount realised during the year from the employee concerned but not exceeding 8.1/3% of his Basic Pay for 12 months.

(c) The Committee shall pay interest on the subscription made by the employee on the pattern obtaining in Central Government.

(d) The provisions of contributory Provident Fund Rules (India) 1962 shall apply to the subscribers to the fund, in regard to Advances from the fund, withdrawal from the fund, final withdrawal of accumulations in the fund etc.

(iii) *Gratuity :*

The employees will on retirement or on relinquishing service under the Committee be entitled to a gratuity at the rate of half-months' basic salary for such completed year of service, subject to a maximum of 15 months salary. In the case of dismissal, the payment of gratuity will depend on the discretion of the Committee.

IX. GENERAL :

35. (i) If any doubt arises about the interpretation of any of these Bye-laws, the matter shall be referred to the Ministry of Urban Development whose decision shall be final.

(ii) The Chairman shall have residuary powers to decide matters, not specifically provided for in these Bye-laws in accordance with the Rules and Regulations of the Committee and established practices in the Government Departments subject to ratification by the Committee.

X. REPEAL AND SAVINGS

36. These Bye-laws supersede the Bye Laws of 1956 dated 11-8-56 and Supplementary Bye-Laws of 1962 at 1-1-62. However, all actions under the existing Bye-laws taken prior to the promulgation of these Revised Bye-laws shall be deemed to have been taken under these Bye-laws.

Secretary
Rajghat Samadhi Committee

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 13th June 1989

No. UT/544A/DPD(P&R)77/Vol.XIII/88-89.—The provisions of the Monthly Income Unit Scheme with Extra Bonus plus Growth-12-1989 formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 and approved by the Executive Committee in the Meeting held on March 27, 1989 are published here below for general information.

THE MONTHLY INCOME UNIT SCHEME WITH EXTRA BONUS AND GROWTH-(12)-1988

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme.

I. Short Title and Commencement

1. This Scheme shall be called the Monthly Income Unit Scheme with Extra Bonus and Growth-(11)-1988.

2. It shall come into force on the 1st day of May 1989.

3. Units will be on sale only from May 1, 1989 to May 31, 1989.

Provided, that the Chairman or Executive Trustee may suspend or extend the sale of units under the Scheme at any time after the commencement of the scheme by giving a week's notice in such newspapers as may be decided.

II. Definitions

In this Scheme, unless the context otherwise requires—

- (a) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;
- (b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order, accepts the same;
- (c) "Applicant" means an applicant under the Scheme and shall include the alternate applicant mentioned in the application form when units are sold for the benefits of a mentally handicapped person.
- (d) "eligible institution" means an eligible trust as defined under the Unit Trust of India General Regulations 1964 and includes Private Trusts created by instrument in writing and being irrevocable for the benefit of children or a Charitable or Religious Trust or endowment which is administered controlled or supervised by or under the provisions of a Central or State enactment which is for the time being in force.
- (e) "Mentally handicapped persons" means :
any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life and is so certified by any Registered Medical Practitioner.
- (f) "number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the number of units sold and remaining outstanding.

- (g) "person" shall include an eligible institution as defined above.
- (h) "recognised stock exchange" means a stock exchange, which is, for the time being recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956).
- (i) "regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43 (f) of the Act.
- (j) "Society" means a society registered under the Societies Registration Act of 1860 or any other Society established under any State or Central law for the time being in force.
- (k) "unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (l) "unitholder" used as an expression under the Scheme shall mean and include the applicant.
- (m) all other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

III. Face value of each unit

The face value of each unit shall be ten rupees.

IV. Application for units

(1) Applications for units may be made by residents only viz.

- (a) individuals either singly or with another individual on joint/either or survivor basis.
- (b) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a minor. An application cannot be made by an adult and minor jointly.
- (c) an eligible institution as defined under the Scheme; including a private Trust formed for the benefit of minor children being however irrevocable.
- (d) an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person.
- (e) a society as defined under the scheme.

(2) Application shall be made in such form as may be approved by the Chairman of the Trust.

(3) Application shall be made for a minimum of 100 units and in multiples of 10 thereafter.

(4) (i) The payment for the units applied for by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Cheques or drafts should be drawn on branches of Banks within the city where the office at which the application is tendered is situated. Provided however that the applicant who wish to apply for units from a place other than where the Trust has its office may do so by sending to the office of the Trust application with the bank draft for number of units applied for deducting therefrom charges payable for Bank draft.

(ii) If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the cheque is received by the Trust or by a designated branch of authorised Bank. If payment is made by draft the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft, provided, the application is received by the Trust or a designated branch of authorised Bank within such time as may be deemed reasonable by the Trust. If the amount tendered by way of payment for the units applied for is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for, the applicant shall be issued such lower number of units as could be issued under the scheme, the balance due to him shall be refunded at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

(iii) A unit certificate will be sent by registered post/recorded delivery with or without acknowledgement to the address given by the applicant, the Trust will not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the unit certificate, so sent.

(iv) A unit certificate issued by the Trust to the eligible institution shall be made out in the name of the eligible institution.

(5) *Right of Trust to accept or reject application:* The Trust shall have the right at its sole discretion to accept and/or reject application for issue of units under the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the scheme shall be final.

(6) *Applicant bound to comply with requirements under the scheme before being issued units:* Persons applying for units under the scheme shall be bound to satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements of the Trust. The compliance or otherwise to the satisfaction of the Trust of such requirements shall be at the sole discretion of the Trust.

(7) A person who holds units under a false declaration shall be liable to have the unit certificate cancelled and the name deleted from the register of unitholders. The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par and recover the Income Distribution wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance. The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

V. Sale of Units

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall, as soon thereafter as possible, issue to applicant unit certificate/s representing the units held by him.

VI. Repurchase of units

(1) The Trust shall not repurchase units before 1st July 1992.

(2) The Trust shall during the currency of the Scheme and on or after 1st July, 1992 repurchase at par on receipt by it of the unit certificate/s with the form on the reverse thereof duly filled in provided all the units comprised in the certificate/s are tendered for repurchase. No partial repurchase of units represented by the unit certificate/s shall be permitted. The unitholder while making an application for repurchase shall be bound to surrender all the unpaid Income Distribution Warrants remaining outstanding upto and inclusive of the month of repurchase to the Trust. The Trust shall not on accepting the unit certificate for repurchase, be bound to pay any Income Distribution on the units for the future months nor shall any interest be payable on the repurchase proceeds. The certificate and the unpaid Income Distribution Warrants if any, received shall be retained by the Trust for cancellation.

(3) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clauses the Trust shall be at liberty while repurchasing the units, in the event of failure of the unitholder to surrender the Income Distribution Warrants which are then outstanding to deduct from the repurchase price such amount representing the amount of the Income Distribution Warrant payable in future as have not been surrendered and pay the balance to the unitholder. On the acceptance of the unit certificate, by the Trust, the unitholders' right to receive future Income Distribution including the Income Distribution for the month of acceptance will cease and the Trust shall have a claim on the amount/s represented by such outstanding Income Distribution.

(4) A unitholder to be entitled to a full year's Income Distribution paid out on a monthly basis should have held the units for a full year. A unitholder who holds the units for a part of the year shall be entitled to receive proportionate Income Distribution for the period of holding which shall always be full English Calendar months of holding, part of a month of whatever length being always ignored.

(5) In the event of the death of the unitholder and on surrender to the Trust by the legal representative or nominee of the relative unit certificate and the unpaid Income Distribution Warrants Outstanding to the deceased unitholder, the Trust shall on compliance with the formalities in connection with the recognition of claim, repurchase the units at par and pay the outstanding proportionate monthly income distribution upto the date of the settlement of the claim or upto a period of 6 months from the date of death of the member, whichever is earlier and such payment shall be made for periods of whole months.

(6) Payment for unit repurchased by the Trust after the deductions, if any, shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in the application. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

VII. Restrictions on repurchase of units :

Notwithstanding anything contained in any provision of the scheme, the Trust shall not be under an obligation to repurchase units :—

- (i) on such days as are not working days; and
- (ii) during the period when the register of unit holders is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

Explanation :

For the purposes of this scheme the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

VIII. Sale and Repurchase prices :

(1) The sale and repurchase prices of units during the period when units are sold and repurchased shall be at par.

(2) In the event of a termination of the Scheme in the manner as specified in Clause XXVI hereof the Trust shall determine the repurchase price by valuing the assets pertaining to the scheme as at the close of business on the date notified for termination reduced by the liabilities pertaining to the scheme and dividing them by the number of units outstanding and deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to realisation of investments by the Trust and other adjustments and the expenditure in connection with the closure and payment of the distribution to the unitholders of the assets in respect of the scheme. In such an event the repurchase price shall in addition to the per value bear the other distributable component of the asset per unit arrived at by the Trust in a manner satisfactory to its auditors and as the Board may approve.

IX. Publication of final repurchase price :

(a) Upon termination of the scheme in the manner provided in Clause XXVI hereof the Trust shall as early as possible after determining the final repurchase price publish it in such manner as it may deem fit.

(b) The final repurchase price at which the units will be repurchased will be at a premium of minimum of Rs. 0.2/- per unit of the face value of Rs. 10/-.

X. Valuation of assets pertaining to this Scheme :

(1) For the purposes of valuation of the assets under sub-clause (2) of Clause VIII the assets shall be classified into : (a) cash (b) investments and (c) other assets.

(2) Investments shall be valued by taking :

A. (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this scheme; provided where security is quoted on more than one stock exchange, the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust.

(b) where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances consider to be the fair value of such investment; and

B. Adding thereto :—

(a) in the case of interest earning deposits, interest accrued but not received;

(b) in the case of Government Securities and debentures, interest accrued but not received; and

(c) in the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend and dividend declared but not received.

(3) Other assets shall be valued at their book value.

XI. Form of unit certificate :

Unit Certificates shall be in Form A annexed hereto. Each unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of the unit holder.

XII. Manner of preparation of unit certificate :

The unit certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board of Trustees may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Trust. Provided that should the unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate, the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The unit Certificate so issued shall also be valid.

XIII. Trusts not to be recognized regarding unit certificates :

(1) The person who is registered as the holder and in whose name a unit certificate has been issued shall be the only person to be recognized by the Trust as the unitholder and as having any right, title or interest in or to such unit certificate and the units which it represents; and the Trust may recognize such unitholder as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take any notice of the execution of any trust, or save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognize any Trust or equity or other interest affecting the title to any unit certificate or the units thereby represented.

(2) When an application is made by an individual for the benefit of another individual who is mentally handicapped and accepted by the Trust, the Trust shall not be deemed to be taking notice of any trust. The Trust shall deal, for all purposes, under the Scheme with the applicant or the person mentioned as alternate applicant in the application form in the event of the applicant's death.

XIV. Subject to the provisions of this scheme, every unit holder shall be entitled to exchange any or all of his unit certificates for one or more unit certificates of such denominations as he may require, representing the same aggregate

No. of units. While applying for such exchange the unit-holder shall surrender to the Trust the unit certificate or certificates to be exchanged and shall pay to the Trust money (if any payable thereunder) in respect of the issue of the new unit certificate or certificates.

XV. Exchange of unit certificate and procedure when certificate is mutilated, defaced, lost etc. :

(1) Subject to the provisions of this scheme, in case any unit certificate shall be mutilated or worn out or defaced, the Trust in its discretion, may issue to the person entitled a new unit certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn out or defaced unit certificate. In case any unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, in its discretion, issue to the person entitled a new unit certificate in lieu thereof. No such new unit certificate shall be issued unless the applicant shall previously have :

(i) furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement, loss, theft or destruction of the original unit certificate;

(ii) paid all expenses in connection with the investigation of the facts;

(iii) in case of mutilation or wearing out or defacement produced and surrendered to the Trust the mutilated or worn out or defaced unit certificates; and

(iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require.

(2) The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

XVI. Register of unitholders :—

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders :—

(1) A register of the unitholders shall be kept by the Trust and there shall be entered in the register :—

(a) the names and addresses of the unitholders;

(b) the distinctive number of the unit certificate and the number of units held by every such person; and

(c) the date on which such person became the holder of the units standing in his name.

(2) Any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly. Any change pursuant to death of an applicant who has applied for units for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person shall be entered in the register accordingly.

(3) Except when the registers are closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspections be open to inspection by any unitholder without charge.

(4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 30 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspapers as the Board may direct.

(5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

XVII. Application by and registration of eligible Institutions, minors, an Applicant for the benefit of a mentally handicapped person :

(1) Eligible institutions & societies may be registered as unit holders.

(2) An adult, being a parent, step-parent or, other lawful guardian of a minor (who is a physically/mentally handicapped person) may hold units and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor. The Trust shall be entitled to action the statements made by such adult in the application form without any further proof.

(3) Where an application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements and certificates furnished and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be good discharge to the Trust.

(4) Applications by eligible institutions or Societies shall be accompanied by the relevant documents showing the applicants' competence to invest in units, such as Memorandum and articles, Bye-laws etc. an authorised copy of the resolution by the managing body and a copy of the requisite power of attorney.

(5) A firm or other association of persons not being incorporated as such, shall not be registered as a unitholder.

XVIII. Receipt by unitholder to discharge Trust :

The receipt of the unitholder for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate shall be a good discharge to the Trust.

XIX. Nomination by unitholders and agents :

(1) Unitholders holding units singly or two unitholders holding jointly may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the Regulations.

(2) Unitholders being either parent or Lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, an applicant who has applied for Units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

XX. Transfer of units :

No transfer of units issued under this Scheme shall be permissible.

Notwithstanding this a unitholder may pledge all the units covered in a certificate with a Bank for availing a loan but not any of the post dated Income Distribution Warrants and the Trust shall record upon pledge a lien. The bank holding the pledge upon enforcing it could be registered as a transferee unitholder.

XXI. Death or bankruptcy of a unitholder :

(1) In the event of death of a unitholder, the nominee/s shall be the person/s recognised by the Trust as the person/s entitled to the amount payable by the Trust in respect of units under the Regulations.

(2) In the absence of a valid nomination by a unitholder the executor or administrators of the deceased unitholder or a holder of succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the unit.

(3) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death or bankruptcy of a unitholder may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all

units to the credit of the deceased at par after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

(4) In the event of the sole nominee under the unit certificate being a person capable to hold units them at the desire of the said nominee, the nominee may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a unitholder and continue to remain registered as a unitholder and shall be issued a unit certificate in his name in respect of units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum holdings.

(5) In the event of the death of the applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person, the Trust shall deal with the alternate applicant as if he were the applicant. Further, in the event of the death of the applicant or the alternate applicant, as the case may be, the existing applicant shall appoint another individual as his alternate applicant.

XXII Investment Limits:

(1) Investments by the Trust from the funds of the Scheme in the securities of any company shall not exceeds 15% of the securities issued and outstanding of companies. Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

(2) The limits prescribed under sub-clause (1) shall not apply to investment of the Trust in bonds and debentures and deposits of a company whether secured or not.

XXIII Income Distribution:

(1) The Income Distribution under the scheme which shall be at a rate of 12% per annum and made payable on a monthly basis may be subject to revision by the Trust based upon the income of the scheme and other relevant factors.

(2) The Income Distribution for each month shall be made payable at the beginning of the following month and will be paid by the Trust under such pre-payment arrangements by means of Income Distribution Warrants or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify.

Such of those units as have been sold under an application accepted by the Trust on or before the 15th day of the month shall alone be eligible for Income Distribution for that month.

(3) Provided that the Income Distribution for the months May, June and July 1989, shall be forwarded to the unitholder alongwith the post dated income Distribution Warrants for the months August 1989 to March 1990 provided further that the Income Distribution for the 12 months or as the case may be shall be Distributed to the unitholders during August 1990 out of the income accrued during the period and such distribution shall be at a rate equivalent to 12% per annum depending upon the month of acquisition of units and other relevant factors. The Board of Trustees, however reserve the right to declare an interim dividend for the purpose. The Trust reserves the right to forward post dated Income Distribution Warrants for such periods as the Trust may determine.

(4) Subject to the provisions of sub-clause (2), the warrants for payment of income distribution on a monthly basis will be sent to the unitholder once a year or all together at any time and the warrants will be so dated that the unitholder shall encash each one of the warrants on becoming mature for payment. Every warrant shall have validity for three months. The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the unitholders before the

expiry of the validity period or in the event of their becoming stale.

(5) In the event of a repurchase which shall always be in full, the unitholder upon non-surrender of unpaid warrants shall be entitled to encash these warrants which are due for the subsequent months and remaining in the custody of the unitholders on the dates of maturity and the amount represented by such Income Distribution Warrants shall be deducted from the repurchase proceeds.

(6) In the event of the death of the unitholder if the sole nominee is eligible to hold units and desires to continue to hold the units, then he sole nominee shall be bound to return all the unencashed warrants for the future months for necessary rectification.

However, such a nominee desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased unitholder to those in favour of the newly admitted unitholders.

(7) In the event of the death of an applicant where the application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the alternate applicant shall be bound to return all the unencashed Income Distribution Warrants for future months for necessary rectification. However, such alternate applicant shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased applicant to those in favour of the newly admitted applicant.

(8) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clause, the Trust reserves its right to make the Income Distribution on a quarterly, half yearly or annual basis as the case may be, should the reasons of expediency cost, interest of unitholders and other circumstances make it necessary for the Trust to do so. In such an event the Trust shall notify the unitholders by a publication in two leading English language daily newspapers. No unitholder shall have a right to claim Income Distribution on monthly basis after the Trust makes a notification as above.

(9) The Trust may declare a bonus dividend at anytime during the 3rd year after 1st July, 1992 which will be paid to the unitholders after the end of the fourth year, after 1st July, 1993.

XXIV. Publication of Accounts :

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board showing the working of the scheme during the period ending as of that date. The Trust shall, on a request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts so published.

XXV. Additions and Amendments to the Scheme :

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette.

XXVI. Termination of the Scheme :

The Scheme shall stand finally terminated as of 1st July, 1994. All unitholders who have participated in the Scheme for the entire period of 5 years shall be paid the value of the units at the repurchase price fixed for the final repurchase during the above period. Besides, receiving the final repurchase price determined no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any subsequent period shall accrue and the repurchase value will be paid by the Trust as early as possible after the unit certificate with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The unit certificate received for repurchase shall be retained by the Trust for cancellation.

XXVII. Scheme to be Binding on Unitholders :

The terms of the scheme including any amendments, changes thereto from time to time should be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding notwithstanding anything contained in the provisions of the scheme.

XXVIII. Benefits of the unitholders :

All benefits accruing under the scheme in respect of capital and reserves and surpluses, if any, at the time of the closure of the scheme shall be available only to the unitholders who hold the units for the full term of the scheme till its closure.

XXIX. Copy of Scheme to be made available :

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours and may be supplied by the Trust to any person on application and payment of Rupees Five.

XXX. Power to construe provisions :

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the scheme and such decision shall be conclusive.

XXXI. Relaxation/variation/modification of provisions :

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the Scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any unitholder or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

EMBLEM

UNIT TRUST OF INDIA

(Incorporated under the Unit Trust of India Act, 1963)

MONTHLY INCOME UNIT SCHEME WITH EXTRA BONUS & GROWTH (12)—1989

(CLAUSE XI)

UNIT CERTIFICATE NO.

NO. OF UNITS

This is to certify that the person/s named in this Certificate is the Registered Holder of

Units, each of the face value of Rupees ten, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 63), the Regulations framed thereunder and the Monthly Income Unit Scheme with Extra Bonus & Growth (12)—1989

Name

FOR THE UNIT TRUST OF INDIA

DATE :

CHAIRMAN

TRUSTEE

FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF
ALL UNITS

Date : _____

To,
Unit Trust of India,I/We
offer to the Trust for repurchase at the repurchase price on
the Acceptance date all units comprised in the certificate.The price of the units may be paid to me/us by* cash/
cheque/bank draft/at my/our Cost.

Signature of witness _____

Signature/s of holder(s)

1. _____
2. _____

Name : _____

Occupation : _____

Address : _____

Signature of witness _____

Name : _____

Occupation : _____

Address : _____

Acceptance date _____

* Delete words inapplicable.

1. This scheme matures for repayment on 1st July, 1994. Thereafter, no further benefit will accrue.
2. This certificate duly signed and witnessed by two witnesses by the holder must be submitted to the Trust latest by 10th June, 1994.

A. K. THAKUR
General Manager (P&D)